Atal Bihari Vajpayee Vishwavidyalaya, Bilaspur (C.G.)

Scheme and Syllabus

of

M. A. (Sanskrit)

Program Code: MASANR124

Semester system for affiliated college
(As per LOCF and credit system)

w.e.f. 2023-2024

(As approved by AC and EC meetings held on 16.08.2023 and 18.04.2023 respectively)

शैक्षणिक सत्र 2023-24 से प्रभावशील

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

कोनी पुलिस थाना के सामने, बिलासपुर–रतनपुर मार्ग, कोनी, बिलासपुर (छ.ग.) 495009
Website : www.bilaspuruniversity.ac.in

Scheme of M.A. Sanskrit under Semester System

Program Code: MASANR 124

Semester	Course Code	Subject Name	Credit			Total Credit	Marks			
							ESE	IA	Total	
			L	P	T				Max	Min
First	SAMR101	वेद एवं उपनिषद्	03	--	01	04	80	20	100	36
	SAMR102	व्याकरण ,भाषाविज्ञान तथा पालि	03	--	01	04	80	20	100	36
	SAMR103	दर्शन	03	--	01	04	80	20	100	36
	SAMR104	साहित्यशास्त्र तथा सौन्दर्यशास्त्र	03	--	01	04	80	20	100	36
	SAMR105	काव्य	03	--	01	04	80	20	100	36
		Subtotal	**15**	**--**	**05**	**20**			**500**	
Second	SAMR106	वैदिक साहित्य	03	--	01	04	80	20	100	36
	SAMR107	व्याकरण भाषाविज्ञान एवं प्राकृत	03	--	01	04	80	20	100	36
	SAMR108	दर्शन	03	--	01	04	80	20	100	36
	SAMR109	साहित्यशास्त्र तथा सौन्दर्यशास्त्र	03	--	01	04	80	20	100	36
	SAMR110	काव्य	03	--	01	04	80	20	100	36
		Subtotal	15	-	05	20			500	

Abbreviations used:

ESE: End Semester Exam IA: Internal Assessment

M.A. Sanskrit I & II Sem.

Programme Learning Outcome

1. छात्रों में लेखन एवं वाचन में भाषागत कौशल का विकास होगा।
2. भाषिक ज्ञान के साथ अभिव्यक्ति क्षमता का विकास होगा।
3. प्राचीन भारतीय विद्या की जानकारीपूर्वक राष्ट्रगौरव की चेतना विकसित होगी।
4. भारतीय सांस्कृतिक परम्परा से अवगत होकर विश्वमानवता के भाव में प्रतिष्ठित होंगे।
5. नैतिक तथा मानवीय मूल्यों को आत्मसात् कर राष्ट्रोन्नति में एक सक्षम मानव संसाधन सिद्ध होंगे।

Programme Specific Learning Outcome

1. विश्व की सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा संस्कृत के स्वर्णिम अतीत का अवबोध होगा।
2. वर्तमान युग में संस्कृतभाषा की प्रासंगिकता का ज्ञान होगा।
3. संस्कृतभाषा में रचित अनेक शास्त्रों के अनुशीलन से शास्त्रीय ज्ञान सह तर्कपूर्ण मौलिक चिन्तन की क्षमता निर्मित होगी।
4. संस्कृत काव्य की विविध विधाओं से परिचय के फलस्वरूप भाषामर्मज्ञता का विस्तार होगा।
5. संस्कृत व्याकरण के अध्ययन से उच्चारण-लेखन की भाषिक दक्षता प्राप्त होगी।
6. भारतीय मनीषा द्वारा विश्व को प्रदत्त ज्ञानावदान की जानकारी राष्ट्रगौरवानुभूतिपूर्वक मौलिक चिन्तन-सर्जन की प्रेरणा प्रदान करेगी।

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के नाम:-

1. डॉ. एन. पी. शुक्ला, सहा. प्राध्यापक, सी.एम.डी. महा. बिलासपुर
2. डॉ. सीमा पाण्डेय, सहा. प्राध्यापक, शास. बिलासा कन्या महा. बिलासपुर
3. श्री बालकुंवर साय, सहा. प्राध्यापक, जे.पी.वर्मा कला एवं वाणिज्य महा. बिलासपुर
4. डॉ. पी. सी. द्विवेदी, सहा. प्राध्यापक, सी.एम.डी. महा. बिलासपुर
5. श्री कन्हैया सिंह कंवर, सहा. प्राध्यापक, ई.वी.पी.जी. महा. कोरबा
6. डॉ. के. एन. शुक्ल, प्राध्यापक, संस्कृत विभाग, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर - ऑनलाईन सम्मिलित
7. डॉ. उमारानी त्रिपाठी, प्राध्यापिका, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी - ऑनलाईन सम्मिलित

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

कोनी पुलिस थाना के सामने, बिलासपुर–रतनपुर मार्ग, कोनी, बिलासपुर (छ.ग.) 495009

Part A: Introduction				
Program: M.A. Sanskrit		Semester: I	Year:	w.e.f.: 2023-2024
1.	Course Code	SAMR101		
2.	Course Title	वेद एवं उपनिषद्		
3.	Course Type	Theory		
4.	Pre-requisite (if any)	No		
5.	Course Learning Outcomes (CLO)	**At the end of this course, the students will be able to:** 1. विश्व के प्राचीनतम, तथा भारत के ज्ञानागारभूत ग्रन्थ ऋग्वेद का ज्ञान होगा । 2. अन्य वैदिक, पौराणिक साहित्य के अनुशीलन से प्राचीन ज्ञान-सम्पदा का बोध होगा । 3. वैदिक साहित्य में प्रतिपादित विश्वबन्धुत्व, सर्वात्मभाव तथा समत्वचिन्तन के उच्च आदर्शों से मानवीय सद्गुणों का आधान एवं विकास होगा । 4. भारतीय ज्ञान के निधिभूत चारों वेदों की विषयवस्तु की जानकारी उपलब्ध होगी । 5. उपनिषद् साहित्य के अनुशीलन से भारतीय संस्कृति का समुचित ज्ञान प्राप्त होगा।		
6.	Credit Value	04		
7.	Total Marks	**Internal Marks: 20** **External Marks: 80**	**Min Passing Marks:36**	

Part B: Content of the Course		
Total No. of Lecturer 60		
Unit	Topics	No. of Lecture
I	ऋग्वेद के सूक्त :– अग्नि 1.1 , इन्द्र 1.12 ,रूद्र 11.33, उषस् 3.61	12
II	ऋग्वेद के सूक्त :– वरुण 1.25, सरमापणि संवाद 10.108 , हिरण्यगर्भ 10.121	12

III	शुक्लयजुर्वेद सूक्त – शिवसंकल्प सूक्त 34.1–6, पुरूष सूक्त 1.1.16 अथर्ववेद सूक्त – राष्ट्राभिवर्धनसूक्तम् 1.29 , कालसूक्तम् 10.53 ,पृथ्वीसूक्तम् 12.1	12
IV	ईशावास्योपनिषद् – (सम्पूर्ण) (व्याख्यात्मक प्रश्न)	12
V	ईशावास्योपनिषद् – (सम्पूर्ण) (आलोचनात्मक प्रश्न)	12

Part C - **Learning Resource**

Text Books, Reference Books, E-Resources

Text Books:

1. न्यूवैदिक सलेक्शन– चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
2. ईशावास्योपनिषद्– चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

Reference Books:

Chaubey, Braj Bihari & Shastri, Kantanath ² New Vedic Selection, Bhartiya Vidya Prakashan, Varanasi, 1981.

E-Resources:

1. https://en.wikipedia.org/wiki/Isha_Upanishad
2. https://www.egyankosh.ac.in/bitstream/123456789/81106/1/Unit-10.pdf

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के नाम:-

1. डॉ. एन. पी. शुक्ला, सहा. प्राध्यापक, सी.एम.डी. महा. बिलासपुर
2. डॉ. सीमा पाण्डेय, सहा. प्राध्यापक, शास. बिलासा कन्या महा. बिलासपुर
3. श्री बालकुंवर साय, सहा. प्राध्यापक, जे.पी.वर्मा कला एवं वाणिज्य महा. बिलासपुर
4. डॉ. पी. सी. द्विवेदी, सहा. प्राध्यापक, सी.एम.डी. महा. बिलासपुर
5. श्री कन्हैया सिंह कंवर, सहा. प्राध्यापक, ई.वी.पी.जी. महा. कोरबा
6. डॉ. के. एन. शुक्ल, प्राध्यापक, संस्कृत विभाग, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर
7. डॉ. उमारानी त्रिपाठी, प्राध्यापिका, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी

Part A: Introduction				
Program: M.A. Sanskrit		Semester: I	Year:	w.e.f.: 2023-2024
1.	Course Code	**SAMR102**		
2.	Course Title	व्याकरण, भाषाविज्ञान तथा पालि		
3.	Course Type	**Theory**		
4.	Pre-requisite (if any)	No		
5.	Course Learning Outcomes (CLO)	**At the end of this course, the students will be able to:** 1. विश्व स्वीकृत सर्वश्रेष्ठ व्याकरणशास्त्र की विशेषताओं से परिचय होगा । 2. वर्णमाला की गहन जानकारीपूर्वक शब्दों के योग तथा विच्छेद का ज्ञान प्राप्त होगा । 3. शब्दों के आधिकारिक ज्ञान के साथ संभाषण एवं लेखन में दक्षता प्राप्त होगी । 4. शब्द-अर्थ-ध्वनि-सहित भाषिक पक्ष के साथ संसार के भाषा-परिवार तथा भारतीय आर्य भाषाओं का सम्यक् ज्ञान प्राप्त होगा । 5. भाषा विज्ञान के द्वारा भाषा के मूल तत्वों, भाषा की संरचना एवं विकास का ज्ञान होता है।		
6.	**Credit Value**	**04**		
7.	**Total Marks**	**Internal Marks: 20** **External Marks: 80**	**Min Passing Marks:36**	

Part B: Content of the Course		
Total No. of Lecturer 60		
Unit	Topics	No. of Lecture
I	पतंजलिकृत व्याकरण महाभाष्य – प्रथम पस्पशाह्निक (व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न)	12
II	भाषाविज्ञान – भाषा का स्वरूप और उद्गम। भाषाविज्ञान का क्षेत्र एवं अन्य विज्ञान से संबंध। ध्वनि नियम, ध्वनियों का वर्गीकरण, ध्वनियों के गुण। भाषा विज्ञान की शाखाएं। भाषा की विशेषताएं।	12

III	भाषाविज्ञान – अर्थतत्व और संबंधतत्व। रूपविज्ञान। भाषा का आकृतिमूलक वर्गीकरण।	12
IV	धम्मपद – यमकवग्गो, चित्तवग्गो, पण्डितवग्गो (व्याख्या हेतु)	12
V	धम्मपद – बुद्धवग्गो, सुखवग्गो, भिक्खु वग्गो (व्याख्या हेतु)	12

Part C - **Learning Resource**

Text Books, Reference Books, E-Resources

Text Books:

1. भाषा विज्ञान – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
2. धम्मपद – चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
3. व्याकरणमहाभाष्य – चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

Reference Books:

1. भाषा विज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी

E-Resources:

1. https://epgp.inflibnet.ac.in/Home/ViewSubject?catid=7q0wFPhZ2YvbF9Q0FD+dqA

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के नाम:-

1. डॉ. एन. पी. शुक्ला, सहा. प्राध्यापक, सी.एम.डी. महा. बिलासपुर
2. डॉ. सीमा पाण्डेय, सहा. प्राध्यापक, शास. बिलासा कन्या महा. बिलासपुर
3. श्री बालकुंवर साय, सहा. प्राध्यापक, जे.पी.वर्मा कला एवं वाणिज्य महा. बिलासपुर
4. डॉ. पी. सी. द्विवेदी, सहा. प्राध्यापक, सी.एम.डी. महा. बिलासपुर
5. श्री कन्हैया सिंह कंवर, सहा. प्राध्यापक, ई.वी.पी.जी. महा. कोरबा
6. डॉ. के. एन. शुक्ल, प्राध्यापक, संस्कृत विभाग, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर
7. डॉ. उमारानी त्रिपाठी, प्राध्यापिका, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी

Part A: Introduction				
Program: M.A. Sanskrit		Semester: I	Year:	w.e.f.: 2023-2024
1.	Course Code	SAMR103		
2.	Course Title	दर्शन		
3.	Course Type	Theory		
4.	Pre-requisite (if any)	No		
5.	Course Learning. Outcomes (CLO)	**At the end of this course, the students will be able to:** 1. भारतीय आस्तिक-नास्तिक दर्शनों से तर्कपूर्ण-चिन्तन की क्षमता विस्तृत होगी । 2. न्याय दर्शन के प्रमाणवाद सिद्धान्तों की मौलिक जानकारी का ज्ञान होगा। 3. सबसे प्राचीन सांख्यदर्शन के 25 तत्वों तथा दार्शनिक सिद्धान्तों का विस्तृत ज्ञान होगा। 4. अद्वैत वेदान्त की प्रमुख विचारधाराओं का परिचय प्राप्त होगा। 5. दार्शनिक सृष्टि प्रक्रिया का बोध होगा।		
6.	Credit Value	04		
7.	Total Marks	**Internal Marks: 20** **External Marks: 80**	**Min Passing Marks:36**	

Part B: Content of the Course		
Total No. of Lecturer 60		
Unit	Topics	No. of Lecture
I	केशवमिश्रकृत तर्कभाषा – (आरम्भ से प्रत्यक्ष प्रमाण पर्यन्त व्याख्या हेतु)	12
II	केशवमिश्रकृत तर्कभाषा – (अनुमान प्रमाण व्याख्या हेतु)	12

III	ईश्वरकृष्णकृत सांख्यकारिका – (01 से 35 कारिका व्याख्या हेतु)	12
IV	सदानन्दकृत वेदान्तसार – (आरंभ से सूक्ष्मशरीरोत्पत्ति पर्यन्त व्याख्या हेत)	12
V	सदानन्दकृत वेदान्तसार – (आरंभ से सूक्ष्मशरीरोत्पत्ति पर्यन्त व्याख्या हेतु)	12

Part C - **Learning Resource**

Text Books, Reference Books, E-Resources

Text Books:

1. तर्कभाषा – केशवमिश्र, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
2. सांख्यकारिका – ईश्वरकृष्ण,चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
3. वेदान्तसार – सदानन्द, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

Reference Books:

1- **सर्वदर्शनसंग्रह – माधवाचार्य विद्यारण्य, आनन्दाश्रम संस्कृत ग्रन्थावलि**

2- भारतीयदर्शन–वाचस्पति गैरोला, प्रकाशक–लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

3- भारतीयदर्शन– राधाकृष्णन्, प्रकाशक -राजपाल एण्ड सन्ज, दिल्ली

E-Resources:

1. https://wp.nyu.edu/virtualhindi/indian-phylosophies/

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के नाम:-

1. डॉ. एन. पी. शुक्ला, सहा. प्राध्यापक, सी.एम.डी. महा. बिलासपुर
2. डॉ. सीमा पाण्डेय, सहा. प्राध्यापक, शास. बिलासा कन्या महा. बिलासपुर
3. श्री बालकुंवर साय, सहा. प्राध्यापक, जे.पी.वर्मा कला एवं वाणिज्य महा. बिलासपुर
4. डॉ. पी. सी. द्विवेदी, सहा. प्राध्यापक, सी.एम.डी. महा. बिलासपुर
5. श्री कन्हैया सिंह कंवर, सहा. प्राध्यापक, ई.वी.पी.जी. महा. कोरबा
6. डॉ. के. एन. शुक्ल, प्राध्यापक, संस्कृत विभाग, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर
7. डॉ. उमारानी त्रिपाठी, प्राध्यापिका, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी

Part A: Introduction				
Program: M.A. Sanskrit		Semester: I	Year:	w.e.f.: 2023-2024
1.	Course Code	**SAMR104**		
2.	Course Title	**साहित्यशास्त्र तथा सौन्दर्यशास्त्र**		
3.	Course Type	**Theory**		
4.	Pre-requisite (if any)	No		
5.	Course Learning. Outcomes (CLO)	**At the end of this course, the students will be able to:** 1. काव्यशास्त्रीय विभिन्न मतों के अनुशीलन से पारम्परिक ज्ञान होगा। 2. मौलिक चिन्तन एवं आलोचनात्मक बुद्धि विकसित होगी। 3. शब्द, अर्थ तथा शब्दशक्तियों का ज्ञान काव्य तथा भाषा के अवबोध में दक्षता प्रधान करेगी। 4. अभिनय कला के कलात्मक तथा भावात्मक पक्ष का ज्ञान होगा 5. सौन्दर्यशास्त्र के विविध पक्षों का समुचित ज्ञान होगा।		
6.	**Credit Value**	**04**		
7.	**Total Marks**	**Internal Marks: 20** **External Marks: 80**	**Min Passing Marks:36**	

Part B: Content of the Course		
Total No. of Lecturer 60		
Unit	Topics	No. of Lecture
I	चिन्तक तथा उनके प्रमुख सिद्धान्त – भरत, वामन, राजशेखर, क्षेमेन्द्र, मम्मट	12
II	मम्मटकृत काव्यप्रकाश – प्रथम उल्लास व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न	12
III	भरतमुनिकृत नाट्यशास्त्र – प्रथम अध्याय (1 से 50 श्लोक व्याख्या हेतु)	12

IV	भरतमुनिकृत नाट्यशास्त्र – द्वितीय अध्याय (1 से 55 श्लोक व्याख्या हेतु)	12
V	भरतमुनिकृत नाट्यशास्त्र – प्रथम एवं द्वितीय अध्याय (टिप्पणी एवं आलोचनात्मक प्रश्न)	12

Part C - **Learning Resource**

Text Books, Reference Books, E-Resources

Text Books:

1. **काव्यप्रकाश – मम्मट, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी**
2. **नाट्यशास्त्र – भरतमुनि, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी**

Reference Books:

1. **भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका – नगेन्द्र, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी**
2. **भारतीय सौन्दर्यशास्त्र की भूमिका – नगेन्द्र, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी**

E-Resources:

1.https://epgp.inflibnet.ac.in/Home/ViewSubject?catid=OcXGfDp/okkJlTwp9YnKuA==

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के नाम:-

1. डॉ. एन. पी. शुक्ला, सहा. प्राध्यापक, सी.एम.डी. महा. बिलासपुर
2. डॉ. सीमा पाण्डेय, सहा. प्राध्यापक, शास. बिलासा कन्या महा. बिलासपुर
3. श्री बालकुंवर साय, सहा. प्राध्यापक, जे.पी.वर्मा कला एवं वाणिज्य महा. बिलासपुर
4. डॉ. पी. सी. द्विवेदी, सहा. प्राध्यापक, सी.एम.डी. महा. बिलासपुर
5. श्री कन्हैया सिंह कंवर, सहा. प्राध्यापक, ई.वी.पी.जी. महा. कोरबा
6. डॉ. के. एन. शुक्ल, प्राध्यापक, संस्कृत विभाग, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर
7. डॉ. उमारानी त्रिपाठी, प्राध्यापिका, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी

Part A: Introduction				
Program: M.A. Sanskrit		Semester: I	Year:	w.e.f.: **2023-2024**
1	Course Code	**SAMR105**		
2	Course Title	**काव्य**		
3	Course Type	**Theory**		
4	Pre-requisite (if any)	No		
5	Course Learning. Outcomes (CLO)	**At the end of this course, the students will be able to:** 1. काव्यशास्त्रीय विभिन्न मतों के अनुशीलन से पारम्परिक ज्ञान के साथ मौलिक चिन्तन एवं आलोचनात्मक बुद्धि विकसित होगी । 2. खण्डकाव्य विधा का परिपूर्ण ज्ञान होगा। 3. काव्य-रचना के विभिन्न अंगों की जानकारी कवित्व-प्रतिभा का यथेष्ट विकास होगा । 4. विश्वप्रसिद्ध नाटक की काव्यगत विशेषताओं की जानकारी मिलेगी । 5. अभिनय कला के कलात्मक तथा भावात्मक पक्ष का ज्ञान होगा ।		
6	Credit Value	04		
7	Total Marks	**Internal Marks: 20** **External Marks: 80**	**Min Passing Marks:36**	

Part B: Content of the Course		
Total No. of Lecturer 60		
Unit	Topics	No. of Lecture
I	कालिदासकृत मेघदूतम् – पूर्वमेघ (1–30 श्लोक व्याख्या हेतु)	12
II	कालिदासकृत मेघदूतम् – पूर्वमेघ (आलोचनात्मक प्रश्न)	12
III	शूद्रककृत मृच्छकटिकम् – 1 से 5 अंक (1 एवं 3 अंक व्याख्यार्थ)	12
IV	शूद्रककृत मृच्छकटिकम् – 1 से 5 अंक (आलोचनात्मक प्रश्न)	12

V	श्रीहर्षकृत नैषधीयचरितम् – प्रथम सर्ग (1–40 श्लोक व्याख्या हेतु)	12

Part C - Learning Resource
Text Books, Reference Books, E-Resources

Text Books:

1. मेघदूतम् – कालिदास, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
2. नैषधीयचरितम् – श्रीहर्ष, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
3. मृच्छकटिकम् – शूद्रक, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

Reference Books:

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास – आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

E-Resources:

1. https://hindisamay.com/content/8cspx
2. https://bharatdiscovery.org/india/%E0%A4%AE%E0%A5%87%E0%A4%98%E0%A4%A6%E0%A5%82%E0%A4%A4

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के नाम:-

1. डॉ. एन. पी. शुक्ला, सहा. प्राध्यापक, सी.एम.डी. महा. बिलासपुर
2. डॉ. सीमा पाण्डेय, सहा. प्राध्यापक, शास. बिलासा कन्या महा. बिलासपुर
3. श्री बालकुंवर साय, सहा. प्राध्यापक, जे.पी.वर्मा कला एवं वाणिज्य महा. बिलासपुर
4. डॉ. पी. सी. द्विवेदी, सहा. प्राध्यापक, सी.एम.डी. महा. बिलासपुर
5. श्री कन्हैया सिंह कंवर, सहा. प्राध्यापक, ई.वी.पी.जी. महा. कोरबा
6. डॉ. के. एन. शुक्ल, प्राध्यापक, संस्कृत विभाग, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर
7. डॉ. उमारानी त्रिपाठी, प्राध्यापिका, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी

IV	आचार्य पाणिनिकृत पाणिनीय शिक्षा – (सम्पूर्ण) (व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न)	12
V	तैत्तिरीय प्रातिशाख्य – प्रथम अध्याय (व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न)	12

Part C - **Learning Resource**
Text Books, Reference Books, E-Resources

Text Books:

1. **निरुक्त – यास्क, डॉ. उमाशंकर शर्मा, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी**
2. **पाणिनीय शिक्षा – डॉ. कमलाप्रसाद पाण्डेय, वि. वि. प्रकाशन, लखनऊ**
3. **शतपथ ब्राह्मण – डॉ. कमलाप्रसाद पाण्डेय, वि. वि. प्रकाशन, लखनऊ**
4. **तैत्तिरीय प्रातिशाख्य – डॉ. कमलाप्रसाद पाण्डेय, वि. वि. प्रकाशन, लखनऊ**

Reference Books:

1. वैदिकसाहित्यस्येतिहासः – डा. राजधर मिश्रः, प्रकाशक–श्याम प्रकाशन, जयपुर
2. वैदिकसाहित्य और संस्कृति – आचार्य बलदेव उपाध्याय, प्रकाशक– शारदा मन्दिर, काशी

E-Resources:

1. https://upload.wikimedia.org/wikipedia/commons/d/d6/%Epd
2. **mathtricks.in/2022/03/Vedic-culture-Literature-in-hindi.html#:~:text=जाने%20वैदिक%20साहित्य**

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के नाम:-

1. डॉ. एन. पी. शुक्ला, सहा. प्राध्यापक, सी.एम.डी. महा. बिलासपुर
2. डॉ. सीमा पाण्डेय, सहा. प्राध्यापक, शास. बिलासा कन्या महा. बिलासपुर
3. श्री बालकुंवर साय, सहा. प्राध्यापक, जे.पी.वर्मा कला एवं वाणिज्य महा. बिलासपुर
4. डॉ. पी. सी. द्विवेदी, सहा. प्राध्यापक, सी.एम.डी. महा. बिलासपुर
5. श्री कन्हैया सिंह कंवर, सहा. प्राध्यापक, ई.वी.पी.जी. महा. कोरबा
6. डॉ. के. एन. शुक्ल, प्राध्यापक, संस्कृत विभाग, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर
7. डॉ. उमारानी त्रिपाठी, प्राध्यापिका, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी

Part A: Introduction				
Program: M.A. Sanskrit		Semester: II	Year:	w.e.f.: 2023-2024
1	Course Code	**SAMR106**		
2	Course Title	**वैदिक साहित्य**		
3	Course Type	**Theory**		
4	Pre-requisite (if any)	No		
5	Course Learning. Outcomes (CLO)	**At the end of this course, the students will be able to:** 1. विश्व के प्राचीनतम, तथा भारत के ज्ञानागारभूत ग्रन्थ ऋग्वेद का ज्ञान होगा 2. अन्य वैदिक, पौराणिक साहित्य के अनुशीलन से प्राचीन ज्ञान-सम्पदा का बोध होगा । 3. वैदिक शब्दकोश निरूक्त का भलीभांति परिचय होगा। 4. भारतीय संस्कृति में ब्राह्मण ग्रन्थों की भूमिका का ज्ञान होगा। 5. वर्ण स्थान एवं शब्द उच्चारण विधि की सूक्ष्मता का ज्ञान प्राप्त होगा।		
6	**Credit Value**	**04**		
7	**Total Marks**	**Internal Marks: 20** **External Marks: 80**	**Min Passing Marks:36**	

Part B: Content of the Course		
Total No. of Lecturer 60		
Unit	Topics	No. of Lecture
I	निरुक्त – यास्क रचित (प्रथम अध्याय) (1 , 2 , 3 पाद)	12
II	निरुक्त – यास्क रचित (प्रथम अध्याय) (4 ,5 , 6 पाद)	12
III	शतपथ ब्राह्मण – (1, 63, 1–21) त्वष्टा के पुत्र विश्वरूप की कथा	12

Part A: Introduction				
Program: M.A. Sanskrit		Semester: II	Year:	w.e.f.: 2023-2024
1	Course Code	**SAMR107**		
2	Course Title	**व्याकरण, भाषाविज्ञान एवं प्राकृत**		
3	Course Type	**Theory**		
4	Pre-requisite (if any)	No		
5	Course Learning. Outcomes (CLO)	**At the end of this course, the students will be able to:** 1. कारक नियमों की जानकारी के द्वारा संभाषण कौशल का विकास होगा। 2. भाषा विज्ञान के द्वारा भाषा के मूल तत्वों, भाषा की संरचना एवं विकास का ज्ञान होता है। 3. शब्दों के आधिकारिक ज्ञान के साथ संभाषण एवं लेखन में दक्षता प्राप्त होगी । 4. नाटिका के द्वारा प्राकृत भाषा के व्याकरण एवं प्रयोग की जानकारी प्राप्त होती है। 5.भारतीय आर्य भाषाओं का सम्यक् ज्ञान प्राप्त होगा ।		
6	Credit Value	**04**		
7	Total Marks	**Internal Marks: 20** **External Marks: 80**	**Min Passing Marks:36**	

Part B: Content of the Course Total No. of Lecturer 60		
Unit	Topics	No. of Lecture
I	भट्टोजिदीक्षितकृत सिद्धान्त कौमुदी – कारक प्रकरण	12
II	भाषा विज्ञान – भारोपीय भाषा परिवार एवं उसकी विशेषताएं। भाषा, विभाषा, बोली, संस्कृत एवं प्राकृत की तुलना।	12
III	भाषा विज्ञान – भाषा विज्ञान है या कला। रूपपरिवर्तन की दिशाएँ। वाक्य विज्ञान , कोश विज्ञान। ध्वनि परिवर्तन के कारण।	12

IV	राजशेखरकृत कर्पूरमंजरी – व्याख्या (प्रथम यवनिका एवं द्वितीय यवनिका)	12
V	राजशेखरकृत कर्पूरमंजरी – व्याख्या (तृतीय यवनिका एवं चतुर्थ यवनिका)	12

Part C - **Learning Resource**

Text Books, Reference Books, E-Resources

Text Books:

1. सिद्धान्त कौमुदी – भट्टोजि दीक्षित, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी
2. भाषा विज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी
3. कर्पूरमंजरी – राजशेखर, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी

Reference Books:

E-Resources:

1. https://www.sanskritm.in/2019/09/karak-prakaran.html
2. https://www.aplustopper.com/karak-in-sanskrit/

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के नाम:-

1. डॉ. एन. पी. शुक्ला, सहा. प्राध्यापक, सी.एम.डी. महा. बिलासपुर
2. डॉ. सीमा पाण्डेय, सहा. प्राध्यापक, शास. बिलासा कन्या महा. बिलासपुर
3. श्री बालकुंवर साय, सहा. प्राध्यापक, जे.पी.वर्मा कला एवं वाणिज्य महा. बिलासपुर
4. डॉ. पी. सी. द्विवेदी, सहा. प्राध्यापक, सी.एम.डी. महा. बिलासपुर
5. श्री कन्हैया सिंह कंवर, सहा. प्राध्यापक, ई.वी.पी.जी. महा. कोरबा
6. डॉ. के. एन. शुक्ल, प्राध्यापक, संस्कृत विभाग, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर
7. डॉ. उमारानी त्रिपाठी, प्राध्यापिका, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी

Part A: Introduction				
Program: M.A. Sanskrit		Semester: II	Year:	w.e.f.: 2023-2024
1	Course Code	**SAMR108**		
2	Course Title	दर्शन		
3	Course Type	**Theory**		
4	Pre-requisite (if any)	No		
5	Course Learning. Outcomes (CLO)	**At the end of this course, the students will be able to:** 1. भारतीय आस्तिक-नास्तिक दर्शनों से तर्कपूर्ण-चिन्तन की क्षमता विस्तृत होगी । 2. न्याय दर्शन के प्रमाणवाद सिद्धान्तों की मौलिक जानकारी का ज्ञान होगा। 3.सबसे प्राचीन सांख्यदर्शन के 25 तत्वों तथा दार्शनिक सिद्धान्तों का विस्तृत ज्ञान होगा। 4. अद्वैत वेदान्त की प्रमुख विचारधाराओं का परिचय प्राप्त होगा। 5. दार्शनिक दृष्टिकोण से सृष्टि प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त होगी।		
6	**Credit Value**	**04**		
7	**Total Marks**	**Internal Marks: 20** **External Marks: 80**	**Min Passing Marks:36**	

Part B: Content of the Course		
Total No. of Lecturer 60		
Unit	Topics	No. of Lecture
I	केशवमिश्रकृत तर्कभाषा – (उपमान से अर्थापत्तिप्रमाण पर्यन्त) (व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न)	12
II	ईश्वरकृष्णकृत सांख्यकारिका – (कारिका 36 से समाप्ति पर्यन्त)	12

III	सदानन्दकृत वेदान्तसार – (पंचीकरण प्रकिया से समाप्ति पर्यन्त व्याख्या हेतु)	12
IV	सदानन्दकृत वेदान्तसार – (आलोचनात्मक प्रश्न)	12
V	नास्तिक दर्शन – चार्वाक, जैन एवं बौद्ध दर्शन (परिचयात्मक अध्ययन)	12

Part C - **Learning Resource**
Text Books, Reference Books, E-Resources
Text Books: 1. **तर्कभाषा – केशवमिश्र, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी** 2. **सांख्यकारिका – ईश्वरकृष्ण,चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी** 3. **वेदान्तसार – सदानन्द, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी** **Reference Books:** 1. **सर्वदर्शनसंग्रह – माधवाचार्य विद्यारण्य, आनन्दाश्रम संस्कृत ग्रन्थावलि** **E-Resources:** 1. https://www.philosophyinsight.com/2022/08/astik-aur-nastik-darshan-bhartiya.html

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के नाम:-

1. डॉ. एन. पी. शुक्ला, सहा. प्राध्यापक, सी.एम.डी. महा. बिलासपुर
2. डॉ. सीमा पाण्डेय, सहा. प्राध्यापक, शास. बिलासा कन्या महा. बिलासपुर
3. श्री बालकुंवर साय, सहा. प्राध्यापक, जे.पी.वर्मा कला एवं वाणिज्य महा. बिलासपुर
4. डॉ. पी. सी. द्विवेदी, सहा. प्राध्यापक, सी.एम.डी. महा. बिलासपुर
5. श्री कन्हैया सिंह कंवर, सहा. प्राध्यापक, ई.वी.पी.जी. महा. कोरबा
6. डॉ. के. एन. शुक्ल, प्राध्यापक, संस्कृत विभाग, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर
7. डॉ. उमारानी त्रिपाठी, प्राध्यापिका, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी

Part A: Introduction				
Program: M.A. Sanskrit		Semester: II	Year:	w.e.f.: 2023-2024
1	Course Code	SAMR109		
2	Course Title	साहित्यशास्त्र तथा सौन्दर्यशास्त्र		
3	Course Type	Theory		
4	Pre-requisite (if any)	No		
5	Course Learning. Outcomes (CLO)	**At the end of this course, the students will be able to:** 1. काव्यशास्त्रीय विभिन्न मतों के अनुशीलन से पारम्परिक ज्ञान के साथ मौलिक चिन्तन की दिशा में विकास होगा। 2.विभिन्न विचारकों की विचारधाराओं का अध्ययन कर आलोचनात्मक बुद्धि विकसित होगी । 3.रूपक के विभिन्न रूपों के लक्षण तथा भेदों की जानकारी होगी। 4.नाट्य के उदभव एवं नाट्य प्रयोजन का विधिवत् ज्ञान प्राप्त होगा। 5.शब्दशक्ति के विविध रूपों के बोध से वाचन शैली का समृद्ध होगी।		
6	Credit Value	04		
7	Total Marks	**Internal Marks: 20** **External Marks: 80**	**Min Passing Marks:36**	

Part B: Content of the Course		
Total No. of Lecturer 60		
Unit	Topics	No. of Lecture
I	चिन्तक तथा प्रमुख सिद्धान्त – दण्डी, आनन्दवर्धन,कुन्तक, पण्डितराज जगन्नाथ, आचार्य मम्मट।	12
II	भरतमुनिकृत नाट्यशास्त्र – द्वितीय अध्याय (श्लोक 56 से समाप्ति पर्यन्त व्याख्या हेतु)	12
III	भरतमुनिकृत नाट्यशास्त्र – द्वितीय अध्याय (नाट्यशास्त्रीय टिप्पणी तथा आलोचनात्मक प्रश्न)	12

IV	मम्मटकृत काव्यप्रकाश – द्वितीय उल्लास (आरम्भ से लक्षणा तेनषडविधा पर्यन्त)	12
V	काव्यप्रकाश – द्वितीय एवं तृतीय उल्लास (लक्षणा तेनषडविधा से आगे तृतीय उल्लास पर्यन्त)	12

Part C - **Learning Resource**

Text Books, Reference Books, E-Resources

Text Books:

1. काव्यादर्श – दण्डी, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
2. काव्यप्रकाश – मम्मट, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
3..नाट्यशास्त्र – भरतमुनि, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

E-Resources:

1. https://ignca.gov.in/Asi_data/68779.pdf
2. https://dde-ac.in/wp-content/uploads/2019/03/BHARTIYE-KAVYA-SHASTR-KE-SIDDHANT-H-314.pdf

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के नाम:-

1. डॉ. एन. पी. शुक्ला, सहा. प्राध्यापक, सी.एम.डी. महा. बिलासपुर
2. डॉ. सीमा पाण्डेय, सहा. प्राध्यापक, शास. बिलासा कन्या महा. बिलासपुर
3. श्री बालकुंवर साय, सहा. प्राध्यापक, जे.पी.वर्मा कला एवं वाणिज्य महा. बिलासपुर
4. डॉ. पी. सी. द्विवेदी, सहा. प्राध्यापक, सी.एम.डी. महा. बिलासपुर
5. श्री कन्हैया सिंह कंवर, सहा. प्राध्यापक, ई.वी.पी.जी. महा. कोरबा
6. डॉ. के. एन. शुक्ल, प्राध्यापक, संस्कृत विभाग, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर
7. डॉ. उमारानी त्रिपाठी, प्राध्यापिका, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी

Part A: Introduction				
Program: M.A. Sanskrit		Semester: II	Year:	w.e.f.: 2023-2024
1	Course Code	SAMR110		
2	Course Title	काव्य		
3	Course Type	Theory		
4	Pre-requisite (if any)	No		
5	Course Learning. Outcomes (CLO)	**At the end of this course, the students will be able to:** 1. काव्यशास्त्रीय विभिन्न मतों के अनुशीलन से पारम्परिक ज्ञान के साथ मौलिक चिन्तन एवं आलोचनात्मक बुद्धि विकसित होगी । 2. काव्य-रचना के विभिन्न अंगों की जानकारी प्राप्त होगी। 3. कवित्व-प्रतिभा का यथेष्ट विकास होगा । 4. शूद्रककालीन सामाजिक व्यवस्था का परिचय होगा। 5. काव्य के दृश्य व श्रव्य रूपक का परिचय प्राप्त होगा।		
6	**Credit Value**	**04**		
7	**Total Marks**	**Internal Marks: 20** **External Marks: 80**	**Min Passing Marks:36**	

Part B: Content of the Course Total No. of Lecturer 60		
Unit	Topics	No. of Lecture
I	कालिदासकृत मेघदूतम्– पूर्वमेघ (श्लोक 31 से समाप्ति पर्यन्त व्याख्या हेतु)	12
II	शूद्रककृत मृच्छकटिकम् – अंक 6–10 (अंक 9 तथा 10 व्याख्या हेतु)	12
III	शूद्रककृत मृच्छकटिकम् – अंक 6–10 (टिप्पणी एवं आलोचनात्मक प्रश्न)	12

IV	श्रीहर्षकृत नैषधीयचरितम् – प्रथम सर्ग (श्लोक 110 से समाप्ति पर्यन्त व्याख्या हेतु)	12
V	श्रीहर्षकृत नैषधीयचरितम् – प्रथम सर्ग (आलोचनात्मक प्रश्न)	12

Part C - **Learning Resource**
Text Books, Reference Books, E-Resources

Text Books:

1. **मेघदूतम् – कालिदास, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी**
2. **मृच्छकटिकम् – शूद्रक, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी**
3. **नैषधीयचरितम् – श्रीहर्ष, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी**

Reference Books:

E-Resources:

1. https://www.lkouniv.ac.in/site/writereaddata/siteContent/202005011826291626Abhimanyu-Singh-M-A-IV-Sem-Sanskrit-Shahityworg.pdf
2. https://egyankosh.ac.in/handle/123456789/84513

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के नाम:-

1. डॉ. एन. पी. शुक्ला, सहा. प्राध्यापक, सी.एम.डी. महा. बिलासपुर
2. डॉ. सीमा पाण्डेय, सहा. प्राध्यापक, शास. बिलासा कन्या महा. बिलासपुर
3. श्री बालकुंवर साय, सहा. प्राध्यापक, जे.पी.वर्मा कला एवं वाणिज्य महा. बिलासपुर
4. डॉ. पी. सी. द्विवेदी, सहा. प्राध्यापक, सी.एम.डी. महा. बिलासपुर
5. श्री कन्हैया सिंह कंवर, सहा. प्राध्यापक, ई.वी.पी.जी. महा. कोरबा
6. डॉ. के. एन. शुक्ल, प्राध्यापक, संस्कृत विभाग, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर
7. डॉ. उमारानी त्रिपाठी, प्राध्यापिका, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी